लीलावती अस्पतालमें डबल वाल्व री–प्लेसमेंट सर्जरीकी गई

मुंबई ■ मुंबई की पहली डबल वॉल्व री–प्लेसमेंट सर्जरी मुंबई के लीलावती अस्पताल में सफलतापूर्वक की गई है। वाल्वुलर हृदय रोग से पीड़ित एक बुजुर्ग व्यक्ति का ऑपरेशन एक नवीन वैस्कुलर क्लोजर डिवाइस से किया गया है। इस सर्जरी से बुजुर्ग को नई जिंदगी मिली है। लीलावती अस्पताल में इंटरवेंशनल स्ट्रक्चरल कार्डियोलॉजिस्ट डॉ. रविंदर सिंह राव, हृदय रोग विशेषज्ञ डॉ. विद्या सूरतकल, डॉ आनंद राव और एनेस्थेटिस्ट डॉ. नम्रता कोठारी ने मिलकर इस सर्जरी को सफल बनाया है।

कर्नाटक के रहने वाले सुबोध मिश्रा को हार्ट वाल्व की बीमारी थी। 14 साल पहले उनकी ओपन हार्ट सर्जरी हुई थी। इस समय महाधमनी और माइट्रल दोनों वॉल्व बदले गए थे। लेकिन, कुछ महीनों से उन्हें सांस लेने में तकलीफ, नींद न आना और चलने में थकान की समस्या हो रही थी। हालत बिगड़ने पर परिवार वालों ने उन्हें लीलावती अस्पताल में भर्ती कराया।

लीलावती अस्पताल में हृदय रोग विशेषज्ञ डॉ. विद्या सूरतकल ने मरीज की 2–डी इको की जांच की। मरीज के माइट्रल वाल्व में रिसाव और महाधमनी वाल्व में सिकुड़न थी। मेडिकल भाषा में इसे स्टेनोसिस कहा जाता है। यह स्थिति हृदय से शरीर तक रक्त के प्रवाह को बाधित करती है। इसलिए खून वापस फेफड़ों में जा रहा था। इससे फेफड़ों में तरल पदार्थ भर गया।